



Durgesh



Komal biyani

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121062103

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Durgesh का वर्ग सर्प है तथा ज्ञवउंस इपलंदप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Durgesh और ज्ञवउंस इपलंदप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Durgesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

ज्ञवउंस इपलंदप मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा ।

अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत् ।।

शनि यदि एक की कुण्डली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि शनि ज्ञवउंस इपलंदप कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Durgesh तथा ज्ञवउंस इपलंदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

